

ब्रेन डेथ की घोषणा करने वाला झारखंड का पहला अस्पताल बना रमिस

चर्चा में क्यों?

29 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार रमिस (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) राज्य का पहला अस्पताल बन गया है, जो ब्रेन डेथ की घोषणा कर सकेगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO) की ओर से ब्रेन डेथ घोषणा के लिये प्रस्तावित मेडिकल विशेषज्ञों की टीम के गठन का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। रमिस के चिकित्सा अधीक्षक इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।
- वदिति है कि केंद्रीय अधिनियम मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम (THOTA), 1994 की धारा-3 की उपधारा-6 के अंतर्गत मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा ब्रेन डेथ घोषित किये जाने का प्रावधान है।
- ब्रेन डेथ घोषणा के बाद संभावित अंगदाता की पहचान हो पाएगी, जिससे अंगदान के माध्यम से अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ब्रेन डेथ में मरीज के मस्तिष्क की मृत्यु हो जाती है, इसके बावजूद भी कृत्रिम तरीके से वेंटिलेटर के जरिये उसके हृदय, कडिनी, लीवर आदि अंगों को जीवित रखा जा सकता है। हालाँकि, ये अंग भी तभी तक जीवित रह सकते हैं, जब तक व्यक्ति वेंटिलेटर पर रहता है।



death

